स्वच्छ भारत अभियान

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़,

पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान

जहाँ स्वच्छता रहती है वहां ईश्वर का वास होता है। इसका अर्थ यह है कि पवित्रता ईश्वर को प्रिय है। भारत में स्वच्छता लाने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। गांवों, शहरों नगरों की स्वच्छता के द्वारा जीवन को सुरक्षित बनाने का प्रयास चल रहा है। स्वच्छता से वातावरण शुद्ध रहता है। परिवार, समाज और वातावरण को स्वच्छ रखना मनुष्य का कार्य है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है वह समाज में रहता हैं। गन्दगी वही फैलाता हैं इसलिए स्वच्छता को बनाये रखना उसी का कार्य है। जहां पर गंदगी रहती है वहां पर किटाणु, मच्छर, मक्खियां भिनभिनाते रहते है। इन्हीं के कारण बीमारियां फैलती है। ऐसे ऐसे वायरस और बैक्टीरिया पनपते जा रहे हैं जो मानव अस्तित्व के लिए खतरा है। अतः स्वच्छता रखना हमारा कार्य है। स्वच्छता को ईश्वर का दूसरा नाम कहा जाता है। ईश्वर जगत् नियन्ता सभी लोगों का उपास्य और सृष्टि नियन्ता है। गन्दगी से सभी घृणा करते हैं क्योंकि गंदगी सबको अप्रिय है।

गांव, नगर हर जगह गंदगी को दूर करने के लिये सफाई कर्मी नियुक्त किये जाते हैं। ये लोग सुबह, दोपहर, शाम जहां भी रहते हैं गंदगी को साफ कर स्वच्छ रखने का काम कर सकते हैं। सुबह मानव जब पूजा करने के लिये जाता है तो वह अपने घर को पूरी तरह साफ करता है और स्नान ध्यान करके ईश्वर की अर्चना करता है। स्वच्छता या सफाई से सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे बीमारी पास नहीं आती। बड़े–बड़े शहरों में यद्यपि सफाई या स्वच्छता का पूरा प्रबंध रहता है, फिर भी कुछ न कुछ अंशों में वहां गंदगी रह ही जाती है। जिसका परिणाम यह होता है कि वहां पर जहरीले मच्छरों का प्रकोप अधिक होता है और उनके काटने से अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती है। इन बीमारियों की रोकथाम के लिये सफाई या स्वच्छता की समुचित व्यवस्था आवश्यक है। सफाई या स्वच्छता के लिए सरकार के साथ–साथ स्थानीय लोगों का भी बहुत बड़ा उत्तरदायित्व है।

हमारा यह परम कर्त्तव्य है कि कूड़ेदान में ही गंदगी को डालें। लेकिन देखा यह जाता है कि आदमी जहां कही भी कचड़े को फेंक देता है जिसका परिणाम यह होता है कि गंदगी फैलती चली जाती है और मच्छर बढ़ते चले जाते है और इनके काटने से बीमारियां फैलने लगती है। बीमारियों के फैलने से लोगों को आर्थिक रूप से भी परेशानी उठानी पड़ती है। बीमार व्यक्ति जब अस्पताल जाता है तो अनेक प्रकार की कठिनाइयों को सामना करना पड़ता है। कभी—कभी दवाईयों की सम्यक् उपलब्धता न होने के कारण रोगी की जान भी चली जाती है। अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि हम गंदगी जान—बूझकर न फैलाये। गंदगी के कारण ही आज भारत सरकार और राज्य सरकारों को भी सचेष्ट होना पड़ा है। आज भारत के प्रत्येक कोने में स्वच्छ भारत अभियान की गूंज सुनाई दे रही है।

स्वच्छता का मतलब है अपने घर, समाज, हृदय व शरीर से हानिकारक प्रभाव वाली वस्तुओं का निष्कासन अभियान द्वारा इसके प्रचार प्रसार को व्यापक रूप दिया जाये। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा देखा गया स्वच्छ भारत का सपना आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के रूप में पूरा किया जा रहा है। उनका मानना है कि स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है। स्वच्छ वातावरण में रहना प्रत्येक मानव का अधिकार है। हम लोगों ने स्वच्छता के प्रति कटिबद्ध होकर कहा है कि हम न तो गंदगी फैलायेंगे और न दूसरों को फैलाने देंगे। यह अभियान 2 अक्टूबर 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन को उपलक्ष्य कर चलाया जा रहा है। ऐसा नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सर्वोच्च और प्रतिष्ठित पद से मौखिक रूप से अभियान की घोषणा कर दी बल्कि उन्होंने स्वयं झाडू उठाकर और राजपथ पर सफाई कर अभियान की शुरूआत की। इस अभियान में देश के सफाई कर्मचारी तो लगे ही है इसके साथ ही साथ देश की बड़ी—बड़ी हस्तियां भी जुड़ी हुई है। इस अभियान में राज्यों व शहरों के विद्यार्थियों सहित शिक्षक, सरकारी अधिकारी, संगठन इत्यादि ने हिस्सा लिया।

आज लोग अखबार, रेडियों, टेलीविजन इत्यादि के माध्यम से भी स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक हो रहे है। यह काम तब तक संभव नहीं है जब तक जन जागरूकता के द्वारा लोगों को जागरूक न किया जाये। बहुत से लोग यह जानते ही नहीं कागज का एक दो टुकड़ा या

पानी की बोतल फेंक देने से गंदगी फैलती है। इसलिए लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि जो भी अनचाहा पदार्थ है उसको केवल कूड़ेदान में ही डाला जाये। तभी लोगों में चेतना आयेगी और वे इस अभियान के प्रति जागरूक होंगे। आज देश के गली—मोहल्ले, सड़कों, घरों व सरकारी भवनों के पास गंदगी का अंबार मिलना एक सामान्य बात है। अखबारों में प्रायः इस विषय की और लोगों का ध्यान आकृष्ट करवाया जाता है जिससे लोगों में जागरूकता फैले। भले ही कुछ समय के लिए इसका निदान हो जाये किन्तु कुछ समय के बाद वहीं स्थिति पुनः दृष्टिगत होती है। क्या इस अस्वच्छता के पीछे मात्र जिला प्रशासन व सफाई कर्मचारियों को दोषी ठहराया जा सकता है? इस प्रकार जानबूझकर गंदगी फैलाते रहने से जानवरों व मनुष्यों में कोई अन्तर नहीं रह जायेगा। मानव को सदैव स्वच्छता और सफाई पर ध्यान रखना चाहिए।